



टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

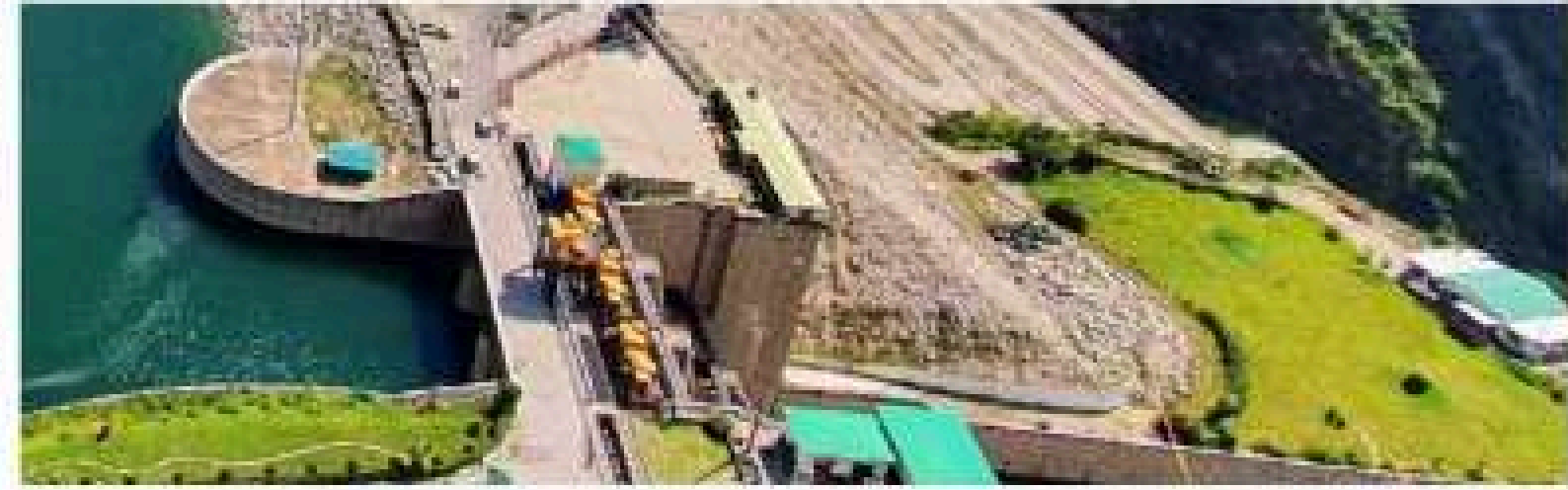
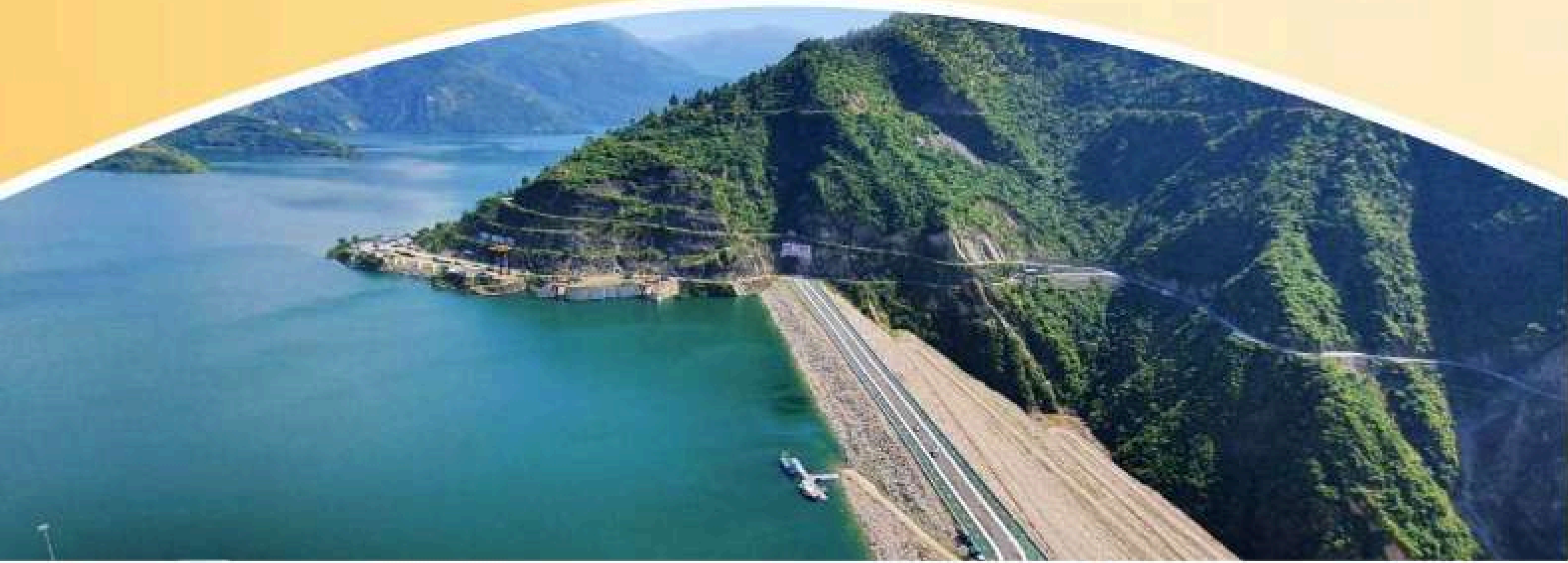
(अनुसूची 'ए', मिनी रत्न पीएसयू)
(Schedule 'A', Mini Ratna PSU)



जांगावतरणम् JANGAVATARANAM

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गृह पत्रिका

मार्च, 2026



संपादकीय



प्रिय पाठकों,
ऊर्जा, नवाचार और सतत प्रगति की भावना के साथ हम आपके समक्ष टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गृह पत्रिका 'गंगावतरणम्' का मार्च, 2026 का अंक प्रस्तुत करते हुए हर्ष का अनुभव कर रहे हैं। यह माह संगठन के लिए उपलब्धियों, सहभागिता

और सामाजिक सरोकारों के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायक रहा है। प्रस्तुत अंक टीएचडीसी परिवार की विविध गतिविधियों, उपलब्धियों तथा सामूहिक प्रगति की सशक्त झलक प्रस्तुत करता है।

मार्च माह का विशेष महत्व अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के आयोजन के कारण और भी बढ़ जाता है। इस अवसर पर टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के विभिन्न कार्यालयों एवं परियोजनाओं में महिला सशक्तीकरण, नेतृत्व एवं समावेशिता को बढ़ावा देने हेतु अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इसी क्रम में, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट 2026 में अपने बहुआयामी ऊर्जा पोर्टफोलियो का प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए ऊर्जा क्षेत्र में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट 2026 के मंच पर संगठन की जलविद्युत, ताप, सौर एवं पंप स्टोरेज परियोजनाओं को प्रदर्शित किया गया, जो देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ स्वच्छ एवं सतत ऊर्जा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

तकनीकी एवं परियोजना प्रगति के क्षेत्र में भी संगठन निरंतर नए आयाम स्थापित कर रहा है। विशेष रूप से विष्णुगाड-पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना सहित अन्य प्रमुख परियोजनाओं में कार्यों की प्रगति संगठन की प्रतिबद्धता, दक्षता एवं समयबद्ध निष्पादन क्षमता को दर्शाती है। साथ ही, विभिन्न परियोजनाओं एवं इकाइयों में संचालन, अनुरक्षण तथा तकनीकी नवाचारों के क्षेत्र में निरंतर सुधारात्मक पहलों की जा रही हैं, जो संगठन को भविष्य के लिए और अधिक सुदृढ़ बना रही हैं।

इसके अतिरिक्त, संगठन में प्रशिक्षण कार्यक्रमों, आपदा प्रबंधन अभ्यासों, खेल गतिविधियों तथा कर्मचारी सहभागिता से जुड़े आयोजनों का सफल संचालन किया गया। इन पहलों के माध्यम से न केवल कार्यकुशलता में वृद्धि हो रही है, बल्कि टीम भावना, नेतृत्व क्षमता एवं समग्र विकास को भी प्रोत्साहन मिल रहा है।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड सदैव सामाजिक उत्तरदायित्व, पर्यावरण संरक्षण एवं सामुदायिक विकास के प्रति प्रतिबद्ध रहा है। विभिन्न सीएसआर पहलों के माध्यम से संगठन समाज के विभिन्न वर्गों तक सकारात्मक परिवर्तन पहुंचाने का सतत प्रयास कर रहा है, जो हमारी "विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता... समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता..." की भावना को साकार करता है।

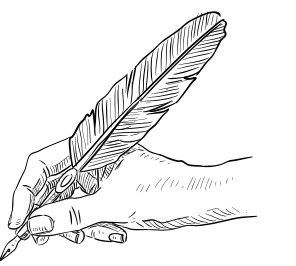
यह अंक इन्हीं विविध उपलब्धियों, पहलों और प्रेरक गतिविधियों का संक्षिप्त परिचय आपके समक्ष प्रस्तुत करता है। हमें विश्वास है कि 'गंगावतरणम्' का यह अंक आपको संगठन की बहुआयामी प्रगति से अवगत कराते हुए गर्व की अनुभूति कराएगा।

टीएचडीसी परिवार का प्रत्येक सदस्य संगठन की सफलता का अभिन्न अंग है, और सामूहिक प्रयासों से ही हम आने वाले समय में और अधिक ऊँचाइयों को प्राप्त करेंगे।

अंत में, नारी शक्ति और प्रगति की भावना को समर्पित इन पंक्तियों के साथ—

“यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता।”

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
संपादक



मुख्य संरक्षक
श्री सिपन कुमार गर्ग
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संपादक
डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
मुख्य महाप्रबंधक
(मा. सं. एवं प्रशा. एवं जनसंपर्क)

उप संपादक
डॉ. काजल परमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

विशिष्ट सहयोग
श्री पंकज कुमार शर्मा
उप प्रबंधक (राजभाषा)

सहायक संपादक
श्री ईशान भूषण
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

समन्वयक

टिहरी
श्री मनबीर सिंह नेगी
प्रबंधक (जनसंपर्क)

खुर्जा
श्री प्रभात कुमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

पीपलकोटी
श्री यतवीर सिंह चौहान, प्रबंधक (जनसंपर्क)
व **श्री अविनाश कुमार**
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

ऋषिकेश
श्री अभिषेक तिवारी
जनसंपर्क अधिकारी

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर संदेश



प्रिय साथियों,

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस नारी शक्ति, उसकी उपलब्धियों, नेतृत्व क्षमता और समाज निर्माण में उसके अमूल्य योगदान का उत्सव है। यह दिवस हमें महिलाओं की भूमिका को सम्मानित करने के साथ-साथ उनके सशक्तीकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ करने की प्रेरणा देता है।

आज का समय नारी शक्ति के निरंतर उत्कर्ष का साक्षी है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, प्रशासन, वित्त, खेल और उद्यमिता जैसे विविध क्षेत्रों में महिलाएं अपनी प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता के बल पर नए आयाम स्थापित कर रही हैं। भारत में भी महिलाओं की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर-दिसंबर, 2025 में महिला श्रम बल भागीदारी दर 33.7% से बढ़कर 34.9% हो गई है, जो महिलाओं की बढ़ती आर्थिक भागीदारी का स्पष्ट संकेत है और यह दर्शाता है कि महिलाएं देश की आर्थिक गतिविधियों में निरंतर अपनी उपस्थिति सुदृढ़ कर रही हैं।

आर्थिक क्षेत्र के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी महिलाओं की भागीदारी निरंतर बढ़ रही है। उच्च शिक्षा में छात्राओं का नामांकन 49 प्रतिशत से अधिक हो चुका है, जो एक सकारात्मक परिवर्तन का द्योतक है। वित्तीय समावेशन की दिशा में भी प्रधानमंत्री जन धन योजना के अंतर्गत खोले गए खातों में से आधे से अधिक खाते महिलाओं के नाम पर हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्वतंत्रता को नई मजबूती प्राप्त हुई है। इन सकारात्मक परिवर्तनों के साथ-साथ, भारत की अनेक प्रेरणादायक महिलाएं आज वैश्विक स्तर पर देश का गौरव बढ़ा रही हैं। माननीय केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन ने वैश्विक मंच पर भारत की आर्थिक नीतियों को सशक्त रूप से प्रस्तुत करते हुए देश की पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री के रूप में उत्कृष्ट नेतृत्व का परिचय दिया है। खेल जगत में कुमारी शीतल देवी ने अपनी असाधारण प्रतिभा और दृढ़ संकल्प के बल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं, जो यह सिद्ध करती हैं कि दृढ़ इच्छाशक्ति के समक्ष कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती। इसी प्रकार, विज्ञान, अंतरिक्ष और प्रशासन के क्षेत्र में भी अनेक महिलाएं निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रही हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बन रही हैं।

इसी क्रम में, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड में भी हम महिला सशक्तीकरण को अपने संगठनात्मक मूल्यों का अभिन्न अंग मानते हैं। हमारी महिला सहकर्मी न केवल अपनी जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन कर रही हैं, बल्कि नेतृत्व, नवाचार और उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन के माध्यम से संगठन की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। संगठन द्वारा उन्हें सुरक्षित, समावेशी एवं प्रोत्साहनपूर्ण कार्य वातावरण प्रदान करने के साथ-साथ उनके कौशल विकास, नेतृत्व प्रशिक्षण तथा कार्य-जीवन संतुलन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

हमारा विश्वास है कि सशक्त महिला ही सशक्त समाज और सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है। इसी दृष्टिकोण के साथ, टीएचडीसीआईएल महिलाओं को समान अवसर प्रदान करने, उनकी भागीदारी को बढ़ावा देने तथा उन्हें नेतृत्व की भूमिका में आगे बढ़ाने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हमें यह प्रेरणा देता है कि हम न केवल महिलाओं के योगदान को सराहें, बल्कि उनके सशक्तीकरण के लिए ठोस और सतत प्रयास करते रहें। एक समावेशी, संवेदनशील और समान अवसरों पर आधारित कार्य संस्कृति का निर्माण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है, जहां प्रत्येक महिला आत्मविश्वास के साथ अपनी पूर्ण क्षमता का विकास कर सके।

इस अवसर पर, मैं टीएचडीसी परिवार की सभी महिला सहकर्मियों को उनके समर्पण, उत्कृष्ट योगदान एवं उपलब्धियों के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर प्रगति की कामना करता हूं।

जय हिन्द।

(सिपन कुमार गर्ग)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक



“विद्या ददाति विनयं”
“Knowledge gives humility”

टीएचडीसी ने भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट 2026 में अपने बहुआयामी ऊर्जा पोर्टफोलियो को प्रदर्शित किया



टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट 2026 में सक्रिय रूप से भाग लिया। यह विद्युत एवं ऊर्जा क्षेत्र का एक प्रमुख वैश्विक सम्मेलन एवं प्रदर्शनी रहा। यह आयोजन 19 से 22 मार्च, 2026 तक यशोभूमि, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के स्टॉल का शुभारंभ माननीय केंद्रीय विद्युत एवं आवासन तथा शहरी मामलों के मंत्री, श्री मनोहर लाल; माननीय केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री, श्री प्रह्लाद जोशी और माननीय केंद्रीय विद्युत एवं नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री, श्री श्रीपाद येसो नाइक द्वारा किया गया।

इस अवसर पर विद्युत मंत्रालय के सचिव, श्री पंकज अग्रवाल, आईएएस, भी उपस्थित थे। टीएचडीसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री सिपन कुमार गर्ग ने सभी गणमान्य अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया।

टीएचडीसी ने जलविद्युत, पंप स्टोरेज, सौर और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में अपनी पहलों और उपलब्धियों का प्रदर्शन किया, जो इसके विविध पोर्टफोलियो और इस क्षेत्र में बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में निरंतर योगदान दे रहा है।

इस अवसर पर श्री नीरज वर्मा, कार्यपालक निदेशक व डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं. एवं प्रशा. व जनसंपर्क) भी उपस्थित रहे। “इलेक्ट्रिफायिंग ग्रोथ. एम्पॉवरिंग सस्टेनेबिलिटी. कनेक्टिंग ग्लोबली” विषय पर आधारित यह आयोजन भविष्य की ऊर्जा जरूरतों पर विचार-विमर्श करने के लिए अंतरराष्ट्रीय उद्योग जगत के लीडर्स को एक मंच पर लाया। विशेषज्ञों के नेतृत्व में सत्रों और संवादों के माध्यम से शिखर सम्मेलन टिकाऊ और विविध ऊर्जा समाधानों को बढ़ावा देते हुए भारत की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने पर केंद्रित था।



भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट के आखिरी दिन, 22 मार्च, 2026 को श्री पंकज अग्रवाल, सचिव, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार ने निगम के स्टॉल का दौरा किया। इसी दिन श्री मोहम्मद अफजल, संयुक्त सचिव (जल-विद्युत), विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार भी टीएचडीसी के पवेलियन में पधारे। इन्हें टीएचडीसी की विभिन्न क्षेत्रों में चल रही परियोजनाओं एवं नवीन प्रगतियों के संबंध में अवगत कराया गया। इस अवसर पर टीएचडीसी के स्टॉल पर श्री राजकुमार चौधरी, अध्यक्ष, संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग, जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख भी पधारे।



भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट की झलकियां

“विद्या ददाति विनयं”
“Knowledge gives humility”

अरुणाचल प्रदेश में जलविद्युत परियोजनाओं की प्रगति पर उच्च स्तरीय बैठक आयोजित



अरुणाचल प्रदेश में जलविद्युत क्षेत्र के समग्र विकास एवं विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु 10वीं स्टीयरिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता माननीय मुख्यमंत्री अरुणाचल प्रदेश, श्री पेमा खांडू द्वारा की गई, जिसमें टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री सिपन कुमार गर्ग सहित विभिन्न केंद्रीय एवं राज्य स्तरीय संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों ने सहभागिता की। इस बैठक में भारत सरकार, राज्य सरकार के अधिकारियों, विभिन्न जिलों के उपायुक्तों (DCs) के साथ-साथ केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों जैसे एनटीपीसी, टीएचडीसीआईएल, एनएचपीसी, नीपको, एसजेवीएन तथा पीजीसीआईएल के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त, एथेना, ग्रीनको समूह, डेमवे पावर तथा नवयुगा जैसे स्वतंत्र विद्युत उत्पादकों (IPPs) के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य विभिन्न चरणों में प्रगतिरत जलविद्युत परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा करना तथा उनके क्रियान्वयन में आ रही स्थानीय समस्याओं, प्रक्रियात्मक चुनौतियों एवं प्रशासनिक अवरोधों की पहचान कर उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना था। इस दौरान परियोजनाओं की प्रगति को गति देने तथा समन्वय को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर विशेष बल दिया गया। बैठक में यह रेखांकित किया गया कि जलविद्युत क्षेत्र अरुणाचल प्रदेश के लिए राजस्व सृजन एवं दीर्घकालिक विकास का एक प्रमुख आधार है। राज्य की विशाल नदी क्षमता का समुचित दोहन न केवल देश की स्वच्छ ऊर्जा आवश्यकताओं एवं ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करेगा, बल्कि राज्य में रोजगार सृजन, बुनियादी ढांचे के विकास एवं समग्र आर्थिक प्रगति को भी गति प्रदान करेगा। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की सहभागिता संगठन की स्वच्छ एवं सतत ऊर्जा विकास के प्रति प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करती है।

वीपीएचडीपी में 55वें राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस पर सुरक्षा सप्ताह 2026 का आयोजन



विष्णुगाड-पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना (वीपीएचडीपी) में 05 मार्च, 2026 को 55वें राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के अवसर पर सुरक्षा ध्वज फहराकर और सुरक्षा शपथ लेकर सुरक्षा सप्ताह 2026 का शुभारंभ किया गया। श्री के.पी. सिंह, महाप्रबंधक (टीबीएम/पीएच) ने टीएचडीसी का सुरक्षा ध्वज फहराया और वीपीएचडीपी इकाई के सभी कर्मचारियों को सुरक्षा शपथ दिलाई। इस अवसर पर श्री सिंह ने कार्यस्थल पर सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया और सभी कर्मचारियों से अपने दैनिक कार्यों में सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सुरक्षा संबंधी किसी भी चिंता को तत्काल संबंधित अधिकारियों या विभाग को सूचित किया जाना चाहिए ताकि तत्काल कार्रवाई की जा सके। उन्होंने सभी कर्मचारियों के लिए सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने के लिए टीएचडीसी की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया।

श्री आर.एस. राणा, महाप्रबंधक (ईएम) ने राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के उद्देश्य, महत्व और इतिहास के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने दुर्घटनाओं को रोकने और कर्मचारियों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए औद्योगिक कार्यस्थलों में एक मजबूत सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस कार्यक्रम में श्री एस.पी. डोभाल, अपर महाप्रबंधक (पावर हाउस), श्री ए.के. श्रीवास्तव, अपर महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) और श्री पी.एन. ममगाई, उप प्रबंधक (सुरक्षा) सहित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

THDCIL Organises High-Level Meeting to Align with 'Seva Sankalp Resolution'



The adoption of 'Seva Sankalp Resolution' by the Union Cabinet under the chairmanship of Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi at Seva Teerth on 24 February, 2026 marks a significant step towards institutionalising service-oriented governance rooted in accountability and citizen-centric functioning.

In alignment with this national resolve, on 03 March, 2026 THDC India Limited convened a high-level meeting at its Corporate Office, Rishikesh, in the presence of Chairman and Managing Director, Shri Sipan Kumar Garg to deliberate upon the implementation framework of the Resolution within the organisation.

Addressing senior officials and Heads of Departments, Shri Sipan Kumar Garg stated that the spirit of 'Seva Sankalp' must translate into measurable outcomes across projects, offices and field units of THDCIL. Shri Garg urged all employees to adopt the ethos of Seva Bhav in their professional responsibilities and to strengthen systems that promote efficiency, public trust, and inclusive development.

Similar meetings were organised at Projects, Regional Offices and Units of THDCIL to sensitise employees and align organisational processes with the principles enshrined in the Resolution.

विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना में हिंदी कार्यशाला का सफल आयोजन



विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना (वीपीएचईपी) में दिनांक 23 मार्च 2026 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ परियोजना प्रमुख, श्री अजय वर्मा, महाप्रबंधक (टीबीएम/विद्युत गृह), श्री के.पी. सिंह, महाप्रबंधक (बांध), श्री आर.पी. मिश्रा, फैकल्टी, श्री ध्यान सिंह रावत एवं विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर परियोजना प्रमुख, श्री अजय वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि राजभाषा हिंदी का प्रचार-प्रसार एवं उसका सतत प्रयोग सरकारी कार्यों की दक्षता और प्रभावशीलता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आह्वान किया

कि वे अपने दैनिक कार्यों, विभागीय रिपोर्ट, पत्राचार एवं अन्य आधिकारिक दस्तावेजों में हिंदी का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित करें, जिससे सरकारी संचार अधिक सरल, सुगम एवं प्रभावी बन सके।

कार्यशाला के दौरान राजभाषा हिंदी के प्रयोग, उसके संवैधानिक प्रावधानों तथा व्यावहारिक उपयोगिता पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित श्री डी.एस. रावत (पूर्व हिंदी अधिकारी, राजभाषा) ने प्रतिभागियों को हिंदी के आधिकारिक प्रयोग, राजभाषा नीति के प्रावधानों तथा कार्यालयीन कार्यों में इसके प्रभावी अनुप्रयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी दी तथा अनेक व्यावहारिक सुझाव साझा किए।

इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक (जल यांत्रिक), श्री संजय ममगाई, उप महाप्रबंधक (गुणवत्ता), श्री शरद चन्द्र भट्ट, वरिष्ठ प्रबंधक (मा.सं. एवं प्रशा.), श्री वी.डी. भट्ट, सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क), श्री अविनाश कुमार एवं कनिष्ठ अधिकारी (हिंदी), श्री जी.पी. घिल्डियाल सहित कुल 28 प्रतिभागियों ने कार्यशाला में सहभागिता की।

कार्यक्रम के अंतर्गत वर्तमान तिमाही में आयोजित राजभाषा हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। इन प्रतियोगिताओं ने न केवल कर्मचारियों के हिंदी ज्ञान को परखा, बल्कि कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा के प्रयोग के प्रति सकारात्मक वातावरण भी सृजित किया। 11 मार्च को आयोजित राजभाषा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में श्री नरेश जोशी, कनि. अभियंता (यांत्रिक) प्रथम, श्री अरविन्द गौड़, कनि. अभियंता (नियोजन) द्वितीय एवं श्री सत्यम सिंह, सहा. प्रबंधक (बांध) तृतीय रहे।

12 मार्च को आयोजित शुद्ध लेख एवं शुद्ध वाक्यांश प्रतियोगिता में भाषा की शुद्धता एवं व्याकरण पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। इसमें श्री मनोज कुमार, सहायक (वित्त एवं लेखा) प्रथम, श्री प्रवेश कुमार, कनि. अभियंता (नियोजन) द्वितीय एवं श्री दुष्यंत, कनि. अभियंता (विद्युत एवं संचार) तृतीय रहे। सभी विजेताओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए परियोजना प्रमुख एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

DIGF (Central) Visits Kalai-II HEP Site to Assess Forest Clearance Compliance



On 17th February, 2026, Shri Pee Lee Ete, IFS, Deputy Inspector General of Forest (Central), Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEF&CC), Sub-Office, Guwahati, visited the 1200 MW Kalai-II Hydro Electric Project site for inspection in connection with Forest Clearance. He was accompanied by Shri Soplan Manyu (IFS), Chief Conservator of Forests (CCF), Eastern Arunachal Circle, Tezu and Shri Manish Kumar Jha (IFS) DFO, Anjaw. Dignitaries were accorded reception by the officials of THDC- Sh P.S. Rawat, HoP (APP), Shri Nand Kishore (DGM-Civil), Shri Ganesh Mishra (DGM- EM & Planning), Shri Ashok Kumar Vidyarthi

(DGM- Civil), among others.

The visit was undertaken as part of the statutory appraisal process to review compliance with forest clearance requirements and to assess the status of project components involving forest land. During the visit, the Head of the 1200 MW Kalai-II HEP Project, Sh. Prem Singh Rawat briefed the DIGF (C) on the present status of the project and highlighted the key technical features of the proposed dam, powerhouse, associated infrastructure, and other major components. The inspection team carried out a detailed site visit of the dam location, proposed muck dumping sites, and other critical project areas.

Discussions were held regarding the necessity, technical justification, environmental safeguards, and suitability of the identified muck dumping locations, with emphasis on minimizing ecological impact and ensuring adherence to applicable forest clearance conditions.

The DIGF (C) emphasized the importance of strict compliance with statutory provisions, environmental management measures, and timely submission of requisite documentation. He also advised that all mitigation measures, including slope stabilization, drainage arrangements, and plantation activities, be implemented in a systematic and sustainable manner.

The visit concluded with constructive deliberations, wherein both sides reaffirmed their commitment to ensuring that the 1200 MW Kalai-II HEP is executed in compliance with environmental and forest regulations, while contributing to sustainable development and regional growth.

टिहरी कॉम्प्लेक्स में आपदा प्रबंधन को सुदृढ़ करने हेतु टेबल टॉप एवं मॉक एक्सरसाइज का आयोजन



टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के टिहरी कॉम्प्लेक्स में आपदा प्रबंधन की तैयारियों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 10 मार्च, 2026 को टेबल टॉप एक्सरसाइज चर्चा बैठक की गई। टेबल टॉप एक्सरसाइज में संभावित आपदा परिदृश्यों के आधार पर विभिन्न विभागों एवं एजेंसियों की भूमिका, जिम्मेदारियों तथा आपसी समन्वय व्यवस्था की विस्तृत चर्चा बैठक की गई। इस बैठक में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारत सरकार, उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा उत्तराखंड सरकार, केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधियों जिसमें केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, नेशनल डैम सेफ्टी, आई.आई.टी., रुड़की, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल, सी.आर.पी.एफ., सी.आई.एस.एफ., आर.ए.एफ., एस.एस.बी., भारतीय सेना, जिला प्रशासन के अधिकारी, स्थानीय पुलिस, स्थानीय स्वास्थ्य विभाग सहित टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के कार्मिकों ने सहभागिता की। श्री एम. के. सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (टीसी) ने टेबल टॉप एक्सरसाइज में उपस्थित सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड द्वारा केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के अनुरूप परियोजना क्षेत्र में नियमित रूप से ऑन-साइट एवं ऑफ-साइट मॉक एक्सरसाइज आयोजित की जाती हैं, जिससे आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में तैयारियों को निरंतर सुदृढ़ बनाया जा सके। उक्त बैठक के दौरान विभिन्न सुरक्षा इकाइयों द्वारा सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन से संबंधित उपकरणों और संसाधनों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस प्रदर्शनी के माध्यम से उपस्थित अधिकारियों एवं प्रतिभागियों, विद्यालय के छात्र-छात्राओं को आधुनिक सुरक्षा उपकरणों, बचाव सामग्री तथा आपातकालीन परिस्थितियों में उपयोग किए जाने वाले संसाधनों की जानकारी दी गई और उनके उपयोग की विधि से भी अवगत कराया गया। समय-समय पर राज्य में घटित क्लाउडबर्स्ट, भारी बरसात, भूस्खलन की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए आपदा प्रबंधन की तैयारियों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 11 मार्च, 2026 को टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एन.डी.एम.ए.) के मार्गदर्शन में टिहरी एवं कोटेश्वर में राष्ट्रीय स्तर की व्यापक मॉक एक्सरसाइज आयोजित की गई।

मॉक एक्सरसाइज के दौरान टिहरी बांध के अपस्ट्रीम एवं डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों में लगातार बारिश, भूस्खलन तथा क्लाउडबर्स्ट की घटनाओं का परिदृश्य तैयार किया गया। टिहरी जलाशय का जलस्तर लगभग ईएल 830 मीटर (फुल रिजर्वार्यर लेबल) होने के कारण स्पिलवे के माध्यम से 5000 क्यूमेक्स अतिरिक्त जल छोड़े जाने की स्थिति दर्शायी गई, जिससे डाउनस्ट्रीम क्षेत्र की स्थिति और गंभीर होने की संभावना बताई गई। इसके अतिरिक्त टिहरी जलविद्युत परियोजना (एचपीपी) के पावरहाउस में आंतरिक खराबी के कारण जनरेटर ट्रांसफॉर्मर के फटने से तेल फैलने और आग लगने की घटना तथा कोटेश्वर पावर प्लांट में हाइड्रो जनरेटर में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की स्थिति का भी अभ्यास किया गया। इस दौरान आपातकालीन स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों, घायलों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने, प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने तथा प्रभावित क्षेत्र में त्वरित प्रतिक्रिया की प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अभ्यास किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य आपदा की स्थिति में विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय और तत्परता सुनिश्चित करना था। उक्त मॉक एक्सरसाइज के उपरांत मॉक एक्सरसाइज से जुड़ी सभी सुरक्षा एजेंसियों एवं केंद्र एवं राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा मॉक एक्सरसाइज की समीक्षा बैठक में आपदा नियन्त्रण से सम्बन्धित तथ्यों पर विचार-विमर्श किया गया।

इस मॉक अभ्यास के दौरान विभिन्न आपदा प्रबंधन से संबंधित एजेंसियों, जिला प्रशासन एवं टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें श्री एम.के.सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (टिहरी कॉम्प्लेक्स); सेवानिवृत्त मेजर जनरल श्री अजय कुमार वर्मा, वरिष्ठ सलाहकार (एन.डी.एम.ए.); श्री इरफान अहमद, मुख्य अभियंता (केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण); श्री राजकुमार नेगी, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी (ऑपरेशन्स, यू.एस.डी.एम.ए.); श्री स्नेहिल कुंवर सिंह, उप जिलाधिकारी, टिहरी; श्रीमती सीमा पांडेय, क्षेत्रीय निदेशक (नेशनल डैम सेफ्टी); डॉ. गिरीश चन्द्र जोशी, वरिष्ठ वैज्ञानिक (आई.आई.टी.), रूड़की; श्री गौरव तोमर, कमांडेंट (सी.आई.एस.एफ.); श्री शैलेन्द्र कुमार, कमांडेंट (सी.आर.पी.एफ.) देहरादून; श्री धन सिंह बिष्ट, कमांडेंट (सी.आर.पी.एफ.) मेरठ; श्री ललित शाह, सेकेंड-इन-कमांड (एस.एस.बी.); श्री दीपक भट्ट, उप कमांडेंट (एन.डी.आर.एफ.) तथा श्री बृजेश भट्ट, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी, टिहरी, श्री विपिन सकलानी, अपर महाप्रबंधक (नियोजन, टीएचडीसीआईएल); श्री बी. डी. सेमवाल, अपर महाप्रबंधक (सुरक्षा, टीएचडीसीआईएल) तथा श्री मोहन सिंह श्रीस्वाल, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन), टीएचडीसीआईएल के साथ-साथ अन्य जिला स्तरीय विभागों, विभिन्न सुरक्षा बलों के अधिकारी/कर्मचारी भी शामिल रहे।

टिहरी परियोजना में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया



टीएचडीसीआईएल, टिहरी में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया। टिहरी परियोजना की महिला अधिकारी प्रबंधक (नियोजन) श्रीमती ज्योति मीणा द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के मुख्य अतिथि श्री एम.के. सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (टी.सी.) का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री एम. के. सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (टी.सी.), श्री मोहन श्रीस्वाल, उप महाप्रबंधक (मा.सं.एवं प्रशा.), श्री मनबीर नेगी, प्रबंधक (जनसंपर्क), श्री दीपक उनियाल, प्रबंधक (मा.सं.एवं प्रशा.), श्रीमती ज्योति मीणा, प्रबंधक (नियोजन), श्री शेर सिंह रावत, सहायक प्रबंधक (पर्यावरण) और इंस्पेक्टर (सी.आई.एस.एफ.), श्रीमती पूजा ध्यानी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर टीएचडीसीआईएल, टिहरी की महिला कर्मिकों के अतिरिक्त निटकॉन, अपरेंटिस, संविदा, सीआईएसएफ में कार्यरत सभी महिलाओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।

International Women's Day 2026 Celebrated at Corporate Office, Rishikesh



On 02 March 2026, THDC India Limited's Corporate Office, Rishikesh, organised a series of thoughtfully curated initiatives to celebrate International Women's Day, honouring the achievements, resilience, and invaluable contributions of women employees across the organisation.

Observed globally on 8th March each year, International Women's Day recognises the strength, dedication, and role of women in shaping a more inclusive and progressive society. Reflecting this spirit, THDCIL's celebrations highlighted the importance of empowering women and fostering an environment of growth and recognition.

Aligned with the Government of India's theme #SheLeadsBharat, an outbound program focusing on women empowerment was organised by the HR-Welfare Department for female employees, including those engaged on a fixed-term basis. Conducted in a serene natural setting, the event aimed at promoting well-being and work-life balance. It provided participants with an opportunity to unwind, rejuvenate, and reconnect, while also acknowledging their leadership and valuable contributions to the organisation.

In addition, a special programme was organised for women engaged through contractual arrangements (NITCON) and apprentices, recognising their efforts and encouraging their continued growth and active participation in the workforce. The initiative reflected THDCIL's inclusive approach by extending appreciation to women across all levels of the organisation.

Through these initiatives, THDC India Limited reaffirmed its commitment to fostering an inclusive, supportive, and empowering workplace for women. The programmes were widely appreciated by participants, reinforcing the organisation's continued efforts towards building a progressive and equitable work environment.



खुर्जा परियोजना में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन



खुर्जा परियोजना में 7 मार्च, 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य खुर्जा परियोजना में कार्यरत महिलाओं के योगदान के प्रति आभार व्यक्त करना, कार्यस्थल पर लैंगिक समानता और महिला सशक्तीकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस अवसर पर परियोजना के वरिष्ठ अधिकारियों तथा महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई।

इस अवसर पर श्री बिनोद कुमार साहू, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) ने अपने संबोधन में कहा कि आज के दौर में महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और क्षमता का प्रदर्शन कर रही हैं तथा ऊर्जा क्षेत्र में भी उनकी भागीदारी लगातार बढ़ रही है। उन्होंने सभी महिला कर्मचारियों को

सम्मानित किया तथा उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिलाओं का समर्पण और कार्यकुशलता किसी भी संगठन की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

कार्यक्रम के दौरान कैलाश अस्पताल, खुर्जा से आमंत्रित विशेषज्ञ, डॉ. सृष्टि साल्वटकर ने सभी महिलाओं को स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से सर्वाइकल कैंसर के बारे में विस्तार से बताया और महिलाओं को इसके लक्षण, बचाव तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि नियमित जांच और जागरूकता से इस बीमारी से बचाव संभव है। कार्यक्रम के दौरान महिला कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य एवं योगदान के लिए सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मानव संसाधन विभाग की प्रमुख भूमिका रही।

International Women's Day Celebrated at NCR Office



NCR Unit celebrated International Women's Day with enthusiasm, acknowledging and appreciating the invaluable contributions of women in the workplace and society. On this occasion, all female employees participated in a get-together outing followed by a lunch, providing a pleasant opportunity to come together and celebrate the spirit of womanhood.

The celebration was further followed by watching a movie together at a theatre. All participants enjoyed the event and spent quality time together, reflecting the true essence of Women's Day.

ACMP Marks Women's Day with 'Equality, Diversity & Inclusion' Program



Acknowledging the role and contributions of women in the workplace, Amelia Coal Mine Project organized a "Get Together Program" on 7th March, 2026 under the theme "Embrace: Equality, Diversity & Inclusion" for all female employees and women staff engaged through NITCON, in commemoration of International Women's Day (8th March). The program was graced by Shri Rajeev Govil, CGM, and Shri D.S. Rao, DGM (HR & Admin).

CGM (ACMP), present on the occasion, extended his best wishes to all women employees and appreciated their valuable contributions towards the organization. The event commenced with a warm welcome of CGM (Project) and all participants, followed by the ceremonial lighting of the lamp and opening remarks by CGM. The celebration included engaging group activities such as dumb charades, guess the song, and a women-centric quiz competition, fostering participation and team spirit. The program concluded with prize and gift distribution, followed by closing remarks by DGM (HR & Admin).

International Women's Day Celebrated at APP Unit with Focus on Empowerment and Inclusion



On the occasion of International Women's Day 2026, THDC India Limited's Arunachal Pradesh Project Unit organized a small yet meaningful celebration to acknowledge and appreciate the invaluable contribution of women in the workplace and society at large.

The event also coincided with an important institutional development at APP Unit. In view of the growing strength of THDCIL employees and contractual staff, the IC- Internal

committee under the provisions of the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013 (PoSH Act) has recently been constituted for the first time at the APP Unit. This initiative reflects THDCIL's commitment towards ensuring a safe, respectful, and inclusive work environment for all women employees.

The celebration also reflected the unique cultural ethos of the Northeast region, where many communities traditionally uphold a matriarchal or women-centric social structure, emphasizing dignity, respect, and a strong societal role for women.

As part of the celebration, Mrs. Devlakshmi, Ms. Lapnee Taijong, and Mrs. Poonam Tanti graciously joined the occasion. The guests expressed their heartfelt gratitude for the thoughtful gesture and appreciated the initiative taken by the Unit to celebrate the contributions of women.

During the interaction, they highlighted that greater representation of women in organizations leads to broader perspectives, more inclusive decision-making, and stronger institutional growth, ultimately contributing to the development of both the Corporation and the Nation. They also acknowledged how women professionals associated with THDCIL, including Ms. Kuru Munya, Dy. Manager (Civil) and Ms. Shweta Bhattacharya, Asst. Manager (Law), reflect the positive transformation taking place in society, where women continue to advance in technical and leadership roles.

They further shared that being associated with a national and reputed PSU in the power sector brings a sense of pride and social prestige, demonstrating how far society has progressed in recognizing and respecting the professional contributions of women.

While the occasion celebrated women on this special day, the participants emphasized that the spirit of respect, recognition, and empowerment for women should not be confined to a single day, but should be reflected in everyday actions and workplace culture.

खुर्जा परियोजना में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई होली



खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट में 03 मार्च, 2026 को होली का पर्व बड़े हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर परियोजना परिसर में आयोजित होली मिलन कार्यक्रम में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का आयोजन परियोजना के न्यू ऑफिस लॉन में किया गया, जहां सभी उपस्थित जनों ने पारंपरिक तरीके से होली का आनंद लिया। रंग-बिरंगे गुलाल, संगीत और पारंपरिक होली गीतों ने वातावरण को पूरी तरह से उत्सवमय बना दिया। उपस्थित सभी लोगों ने आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश देते हुए एक-दूसरे के साथ खुशियां साझा की।

इस अवसर पर श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपनी शुभकामनाएं दी। श्री बी. के. साहू, मुख्य महाप्रबंधक ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक और पारिवारिक कार्यक्रम कार्यस्थल पर सकारात्मक वातावरण बनाने तथा कर्मचारियों के बीच आपसी संबंधों को और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस दौरान पूरे कार्यक्रम में उत्साह, उमंग और आपसी सौहार्द का अद्भुत वातावरण देखने को मिला।

APP Unit of THDCIL Celebrates Holi with Assam Rifles at Kalai-II Project Site



On the occasion of the Holi festival, officers and staff of THDC India Limited, APP Unit, celebrated the festival of colours with the Assam Rifles Contingent of Delta Force stationed near the 1200 MW Kalai-II Hydro Electric Project. The Assam Rifles Contingent carries the proud motto “Bravest of the Brave”, reflecting their unwavering dedication to safeguarding the nation. The celebration was conducted within the high-security compound of the Assam Rifles Contingent, equipped with armed sentry posts and guard dogs, highlighting the constant vigilance maintained by the force while ensuring the safety of the region. The event was led by Subedar Sh. Mithoo Singh from the Assam Rifles and

Sh. R. D. Raturi, Dy. Manager (Law) from THDCIL.

During the interaction, Subedar Sh. Mithoo Singh shared inspiring insights from his own journey of service and valour, which left a strong impression on the young officers of THDCIL. His interaction highlighted the discipline, courage, and technical expertise required in the armed forces, and it became evident through his experience that he possesses deep operational knowledge as an IED expert.

The celebration also reflected the unique spirit of unity within the Assam Rifles, where personnel from diverse religions, regions, and social backgrounds serve together and celebrate festivals collectively, embodying the true essence of national integration.

The occasion witnessed enthusiastic participation from both sides as officers and soldiers celebrated Holi together and shared a spirit of camaraderie. The hospitality extended by the Assam Rifles Contingent was warm and memorable, with a variety of traditional delicacies and sweets arranged for the gathering.

The interaction symbolized a shared commitment to nation-building. While the Assam Rifles personnel continue to ensure security and stability in the region, THDCIL officers remain dedicated to the development of the 1200 MW Kalai-II Hydro Electric Project, a project of strategic importance for energy security and regional development.

Sh. Prem Singh Rawat, HoP (APP), appreciated and commended the liaisoning efforts that facilitated this meaningful interaction between THDCIL and the Assam Rifles Contingent, noting that such engagements strengthen mutual understanding and cooperation between development agencies and security forces working together in remote and challenging regions.

अमेलिया कोल माइन परियोजना में होली मिलन समारोह का उत्साहपूर्ण आयोजन



टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की प्रतिबद्धता के अनुरूप समावेशी एवं जीवंत कार्य वातावरण को बढ़ावा देने हेतु 28 फरवरी, 2026 को अमेलिया कोल माइन परियोजना, सिंगरौली में होली मिलन समारोह हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ आयोजित किया गया। भारत में होली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि उल्लास और सहभागिता का प्रतीक है, जो लोगों को साथ लाकर रंगों और खुशियों के माध्यम से एकजुटता की भावना को सुदृढ़ करता है। इस अवसर पर एकता, रचनात्मकता और मनोरंजन के जरिए कार्यस्थल संस्कृति को और सशक्त बनाने का प्रयास किया गया। समारोह में अधिकारीगण, कर्मचारीगण सहित एफटीबी एवं निटकॉन के माध्यम से

कार्यरत कार्मिकों की सक्रिय उपस्थिति रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री ए. के. शर्मा (ओएसडी), श्री राजीव गोविल (मुख्य महाप्रबंधक), श्री एस. के. मित्तल (अपर महाप्रबंधक), श्री डी. एस. राव (उप महाप्रबंधक) सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

HRD Corner

Health & Wellness Program Titled 'Sanjeevani- Revive, Restore, & Rebalance'



A three-day health & wellness program “Sanjeevani- Revive, Restore, & Rebalance” was successfully conducted at THDCIL’s Takshshila – Sustainable Livelihood & Community Development Centre, Rishikesh, from 10th to 14th March, 2026 for officers from REC Limited. The primary objective of the session was to recognise the importance of employee well-being as a key factor in sustaining productivity and organizational effectiveness and to encourage holistic health practices and balanced lifestyle habits among the employees.

The sessions were delivered by experienced wellness experts, health professionals and lifestyle management specialists from AIIMS, Rishikesh & the yoga practitioners, who possess deep knowledge in both traditional and modern wellness practices. The faculty members shared valuable insights on health & lifestyle management topics.

The three-day training program included classroom training on the first day, followed by a visit to the banks of the sacred Ganges River to witness the mesmerising Ganga Aarti on the second day. The third day of the program, participants undertook a trekking activity in the scenic natural surroundings, which encouraged physical fitness, team bonding, and appreciation of nature.

Participants appreciated the practical relevance of the wellness sessions, the expertise and engaging approach of the resource persons, and the invigorating trekking activity, which provided both physical exercise and team bonding. Many participants expressed that the program helped them gain valuable insights into maintaining a healthy lifestyle and managing stress effectively, and they felt motivated to incorporate these practices into their daily routine.

Training Program on 'Landslide Risk Mitigation & Disaster Management'



A three-day training program on “Landslide Risk Mitigation & Disaster Management” was organized at THDCIL’s Takshshila – Sustainable Livelihood & Community Development Centre, Rishikesh, from 12th to 14th March, 2026, for professionals from Himachal Pradesh Public Works Department. The program aimed to enhance the technical capabilities and disaster management preparedness of officers, enabling them to effectively address landslide-related challenges in their professional roles.

The sessions were conducted by a mix of

experienced subject experts, geologists, disaster management specialists, and senior engineering professionals with extensive expertise in the fields of geotechnical engineering, landslide mitigation, and disaster management.

The three-day program included classroom training sessions on the first day followed by a divine Ganga Arti visit in the evening. On the second day of the program, participants undertook a technical site visit to observe landslide-prone areas and mitigation measures implemented in the field. The field exposure allowed participants to connect the concepts discussed in the classroom with real-world engineering practices, making the learning experience highly practical and effective.

HRD Corner

Feedback collected from participants reflected a strong appreciation for the relevance and practical orientation of the program. Through a combination of expert-led classroom sessions, practical discussions, a technical site visit, and cultural engagement, the program provided a comprehensive learning experience. Many participants expressed that the program significantly enhanced their understanding of landslide risk mitigation techniques and disaster management practices, and they felt better equipped to address such challenges in their professional responsibilities.

A Half-Day Training Program on 'Whistle Blower Policy'



A half-day training program on “Whistle Blower Policy” was successfully conducted at THDCIL’s Takshshila – Sustainable Livelihood & Community Development Centre, Rishikesh from 12th to 14th March, 2026, for around 40 nos. of executives (EO to E8) posted at Rishikesh Unit. The program was aimed at creating awareness among executives regarding the purpose, scope, and implementation of the whistleblower mechanism within the organization.

The session was delivered by the External Faculty- Shri Shachikant Sharma, Ex-Group General Manager (HR), ONGC, who possesses extensive knowledge in the areas of organizational ethics, vigilance mechanisms, and regulatory compliance.

The feedback received from participants was positive and encouraging. Participants acknowledged that the program significantly strengthened their understanding of ethical governance and the whistleblower mechanism within the organization.

Motivational Training Program titled 'Let's Reconfigure: Enhancing Personal & Organisational Excellence'



A two-day Motivational Training Program titled “Let’s Reconfigure: Enhancing Personal & Organisational Excellence” was organized at the HRD Centre from 23rd to 24th March, 2026, for non-executives (workmen & supervisors) posted at Rishikesh Unit.

The program was conducted by an experienced motivational trainer and behavioural expert, Sh. Ajay Agarwal, with extensive experience in the field of personality development, leadership training, and organisational behaviour. Through interactive discussions, motivational talks, group activities, and real-life examples, the program

encouraged the participants to explore ways to enhance their confidence, productivity, and interpersonal relationships at the workplace. The feedback received from participants during the program was highly positive and encouraging. Many participants expressed that the program helped them gain a fresh perspective towards their work and personal development, and they felt motivated to implement the learning in their daily professional lives.

लेडीज़ क्लब

टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी', ऋषिकेश द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन



टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी', ऋषिकेश द्वारा 06 मार्च, 2026 को मुख्य संरक्षिका श्रीमती पूजा गर्ग के सानिध्य में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के उपलक्ष्य में एचआर-वेलफेयर विभाग द्वारा एचआरडी केंद्र में टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन की सदस्याओं के लिए "उत्कर्षिणी: साथ मिलकर आगे बढ़ते कदम" शीर्षक पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

'उत्कर्षिणी' नाम अपने आप में सामूहिक विकास, उन्नति एवं सशक्तीकरण का प्रतीक है। यह कार्यक्रम महिलाओं की उस महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करने हेतु आयोजित किया गया, जो वे न केवल संगठन में बल्कि परिवार एवं समाज के समग्र विकास में निभाती हैं।

इस कार्यक्रम में मुख्य संरक्षिका की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष महत्व प्रदान किया तथा उपस्थित सभी प्रतिभागियों को प्रेरित किया।

कार्यक्रम में एनजीओ 'पंख' की संस्थापक सुश्री अलंकृता बनर्जी, आईएमएस गाज़ियाबाद से फैकल्टी डॉ. अंचल मिश्र, डॉ. वैशाली अग्रवाल व डॉ. डॉली व टीम उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत "तेजस्विनी" गीत से की गई। तत्पश्चात मुख्य संरक्षिका श्रीमती पूजा गर्ग ने सभी को महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए संबोधित किया।

सुश्री अलंकृता बनर्जी ने तनाव रहित जीवन शैली को अपनाने के लिए योग एवं प्राणायाम के महत्व को समझाया। साथ ही महिलाओं से अनेक गतिविधियां करवाई गई जिसमें सभी प्रतिभागियों ने बहुत ही उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य संरक्षिका महोदया सहित मार्च माह में जन्मे सदस्याओं का जन्मदिवस भी धूमधाम से मनाया गया।

कार्यक्रम में सहभागियों ने एकता, सहयोग एवं प्रेरणा के भाव के साथ भाग लिया। इस अवसर ने महिलाओं के योगदान को सम्मानित करने, संवाद को प्रोत्साहित करने तथा समग्र विकास एवं कल्याण के महत्व को पुनः स्थापित करने के लिए मंच प्रदान किया।

नवरात्रि के पावन अवसर पर भव्य भजन-कीर्तन का आयोजन



टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी', ऋषिकेश द्वारा मुख्य संरक्षिका श्रीमती पूजा गर्ग की उपस्थिति में, हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर प्रथम दिवस माता रानी के भजन-कीर्तन का भव्य आयोजन आराधना भवन में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ किया गया। यह आयोजन पारंपरिक आस्था, सामूहिक सहभागिता एवं आध्यात्मिक ऊर्जा का एक सुंदर संगम रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधि-विधान के साथ दीप प्रज्ज्वलन एवं माता रानी की आराधना के साथ किया गया। इस अवसर पर श्रीमती पूजा गर्ग सहित 'तेजस्विनी' की सभी सदस्याओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ भजन-कीर्तन में सहभागिता की। भक्ति रस से ओत-प्रोत प्रस्तुतियों ने वातावरण को पूर्णतः आध्यात्मिक बना दिया।

लेडीज़ क्लब

तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब, टिहरी द्वारा वार्षिक समारोह का आयोजन



तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब, टिहरी द्वारा 09 फरवरी, 2026 को वार्षिक समारोह का आयोजन किया गया। तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब की अध्यक्ष, श्रीमती विभा सिंह द्वारा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (टी.सी.), श्री एम.के. सिंह को गुलदस्ता प्रदान कर उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (टी.सी.), श्री एम.के. सिंह एवं श्रीमती विभा सिंह, महाप्रबंधक (पुनर्वास समन्वय), श्री विजय सहगल एवं श्रीमती मोनिका सहगल, महाप्रबंधक (पी.एस.पी.), श्री एस.के. साहू एवं श्रीमती सस्मिता साहू तथा तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब की महासचिव श्रीमती अमृता पंवार, श्रीमती निधि बाजपेई द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में क्लब की सदस्याओं एवं उनके बच्चों द्वारा विविध सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में नृत्य, गीत, नाटक, कविताएं एवं सामूहिक प्रस्तुतियों ने सभी उपस्थित जनों का मनमोह लिया। साथ ही, कई रोचक खेल एवं इंटरैक्टिव गतिविधियों का भी आयोजन किया गया।

तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब, टिहरी द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन



तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब, टिहरी की सदस्याओं द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी होली का पावन पर्व अत्यंत हर्षोल्लास और पारंपरिक गरिमा के साथ मनाया गया। समारोह का शुभारंभ पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ हुआ, जहां सदस्याओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। वहीं रंगों के इस मिलन ने आपसी स्नेह, सहयोग और एकजुटता के बंधन को और भी गहरा कर दिया। तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब, टिहरी की अध्यक्ष, श्रीमती विभा सिंह ने सभी सदस्याओं को होली की शुभकामनाएं दीं।

उमंग ऑफिसर्स क्लब, टिहरी द्वारा वार्षिकोत्सव का आयोजन



टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी के उमंग ऑफिसर्स क्लब का वार्षिकोत्सव 27 मार्च, 2026 को बहुउद्देश्यीय भवन में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम उमंग ऑफिसर्स क्लब के अध्यक्ष श्री ए.पी. बाजपेई द्वारा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री एम.के. सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (टी.सी.) को एवं महासचिव (उमंग ऑफिसर्स क्लब), श्री दीपक उनियाल द्वारा श्रीमती विभा सिंह को गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (टी.सी.), श्री एम.के. सिंह, श्रीमती विभा सिंह, महाप्रबंधक (पुनर्वास समन्वय), श्री विजय सहगल एवं श्रीमती प्रीति सहगल, महाप्रबंधक (पीएसपी), श्री एस.के. साहू एवं श्रीमती सस्मिता साहू, अपर महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा), श्री ए.पी. बाजपेई एवं श्रीमती निधि बाजपेई, उप महाप्रबंधक (मा.सं.एवं प्रशा.), श्री मोहन सिंह श्रीस्वाल एवं श्रीमती कविता श्रीस्वाल, महासचिव, श्री दीपक उनियाल द्वारा किया गया।

Beyond the Desk

Design and Stability Considerations for Earthen Upper Reservoirs Subjected to Rapid Drawdown in Pumped Storage Projects



Sh. R.S. Makhloga
AGM(New PSPs/Solar)
Maharashtra



Sh. Ashutosh Vasant Sanap
Asst. Manager (Amba & Kumbhe PSPs)
Maharashtra

ABSTRACT: Pumped storage projects often employ earthen embankment dams to form upper reservoirs. During peak generation, rapid release of water creates sudden drawdown conditions, one of the most critical loading cases for such dams. Unlike conventional reservoirs, pumped storage facilities undergo frequent cyclic drawdown, causing pore water pressures in the upstream embankment to dissipate more slowly than the falling reservoir level, thereby reducing effective stress and shear strength. This article examines the rapid drawdown mechanism and the engineering measures adopted to maintain stability of earthen upper reservoirs in pumped storage projects.

INTRODUCTION: Pumped storage projects play an important role in meeting peak power demand and supporting grid stability by storing energy during off-peak periods and generating electricity during peak hours. In open-loop configurations, the upper reservoir is often created by constructing an earthen embankment dam using locally available soils and rockfill materials. During off-peak hours, water is pumped from the lower reservoir to the upper reservoir, and during peak hours the stored water is released through reversible pump-turbines. This mode of operation results in rapid and frequent fluctuations of the upper reservoir water level. A rapid reduction in reservoir level creates a sudden drawdown condition, which is widely recognized as one of the most critical design cases for earthen dams. When the reservoir water level drops faster than pore water pressures within the embankment can dissipate, the stabilizing effect of external water pressure is lost while internal pore pressures remain high. This leads to a reduction in effective stress and consequently a reduction in shear strength of the upstream slope. Because pumped storage projects are subjected to repetitive cycles of pumping and generating, sudden drawdown is not an exceptional event but a regular operational condition, and therefore must be explicitly considered in design and operation of upper reservoir embankments.

METHODOLOGY: The engineering methodology for addressing sudden drawdown in earthen upper reservoirs is based on understanding the transient seepage behaviour of the embankment, adopting suitable dam geometry and material zoning, and implementing appropriate analytical and operational controls. During rapid drawdown, the upstream shell of the embankment experiences a condition where external water support is removed while internal pore pressures remain temporarily elevated. To mitigate this effect, embankments are commonly designed as zoned sections with an impervious central core, pervious upstream and downstream shells, and properly designed filter and transition zones. The upstream shell is intentionally constructed using materials with relatively high permeability so that excess pore water pressures can dissipate quickly during drawdown.

Upstream slope geometry is selected conservatively, with flatter slopes than those typically required for steady-state conditions. Flatter slopes reduce driving forces and improve the factor of safety under rapid drawdown. For higher embankments, intermediate berms may be introduced to further enhance global stability. Internal inverted filter systems including chimney drains, horizontal drainage blankets, and downstream filters are incorporated to intercept seepage and provide controlled flow paths. These systems prevent soil particles from entering the drainage layers, thereby accelerating pore-pressure dissipation, maintaining effective stress in critical zones, and preventing piping.

Material selection plays a crucial role in rapid drawdown performance. Rockfill or coarse granular soils are preferred in the upstream shell because of their high permeability and good shear strength characteristics. These materials also perform better under cyclic loading conditions associated with repeated pumping and generating cycles. Design verification is carried out through transient seepage analysis to simulate time-dependent pore-pressure variation during drawdown, coupled with slope stability analysis using limit equilibrium and numerical methods. Critical loading cases typically include maximum reservoir level followed by sudden drawdown to minimum operating level, as well as intermediate drawdown scenarios. Acceptance is based on achieving adequate factors of safety under all relevant conditions.

In addition to design measures, operational controls are often adopted to limit the maximum rate of drawdown by regulating turbine discharge and ramping of power generation, thereby reducing the severity of pore pressure imbalance. Instrumentation and monitoring form an essential part of the methodology. Piezometers are installed to measure pore water pressures, inclinometers are used to detect lateral movements, and settlement gauges and surface markers track deformations. The observed data are compared with predicted values to confirm design assumptions and to provide early warning of any abnormal behaviour.

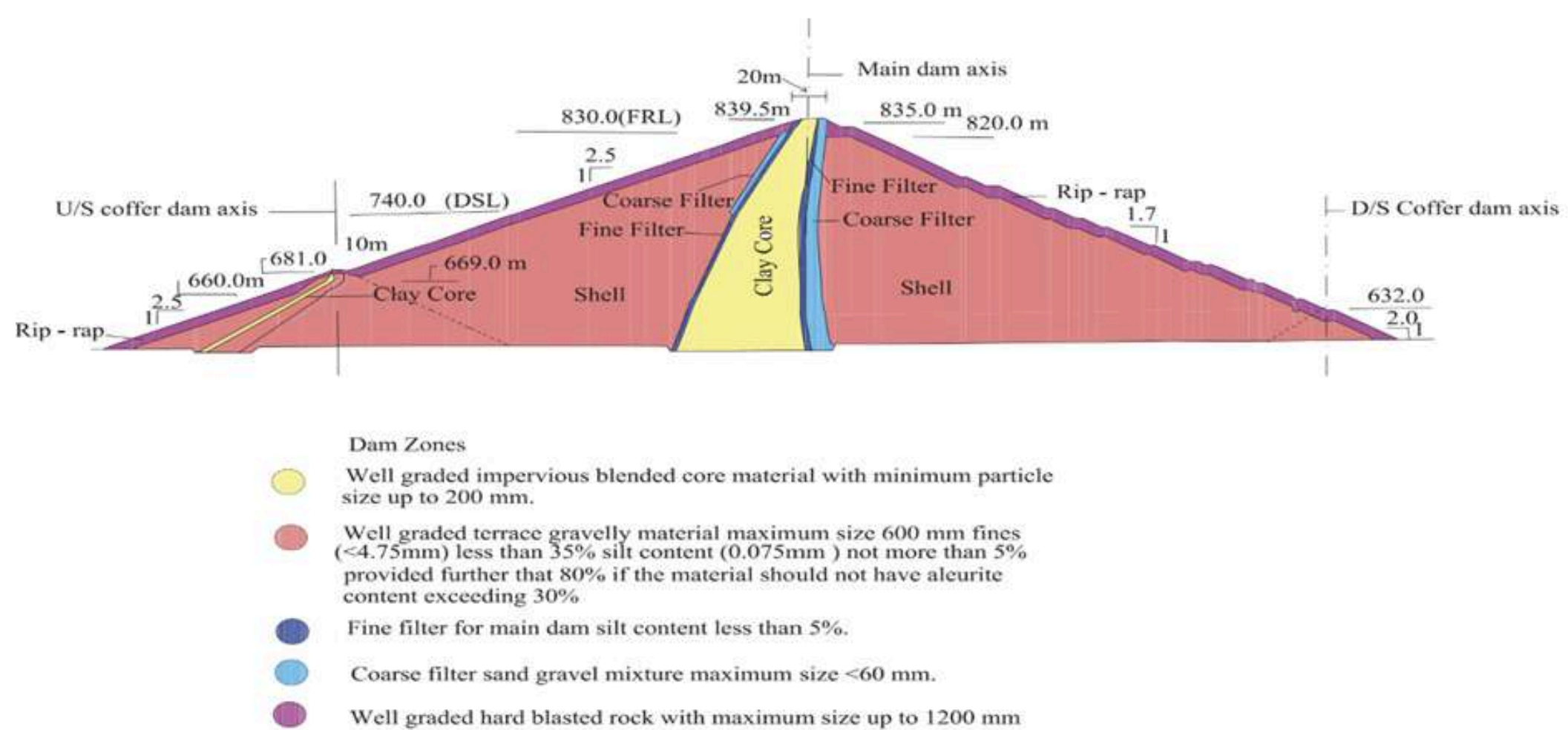


IMAGE: Typical Cross Section of Tehri Dam

CONCLUSION: Sudden drawdown is a governing condition for earthen upper reservoirs in open-loop pumped storage projects because of frequent and cyclic reservoir level fluctuations. Rapid lowering of the reservoir can temporarily reduce effective stress and shear strength in the upstream embankment, leading to potential instability if not properly addressed. Stable performance is achieved through an integrated approach that combines suitable embankment zoning, conservative upstream slope geometry, efficient internal drainage, use of permeable and strong upstream shell materials, detailed seepage and stability analyses, operational control of drawdown rate, and comprehensive instrumentation and monitoring. Adoption of this methodology ensures that earthen upper reservoirs can safely withstand repetitive rapid drawdown cycles throughout the service life of pumped storage projects.

REFERENCE:

- Subhodh Shrivastava, Sanat Nalini Sahoo, Seepage and Stability Analysis of Earthen Dam in Slow and Rapid Drawdown Conditions, 24 February 2021.
- Panagiotis Dimas, Archontia Lykou, Akis Zarkadoulas, GeorgiaKonstantina Sakki, Andreas Efstratiadis, Christos Makropoulos, Argyro Louloudi, Cascading impacts of individual failures across critical infrastructures: The case of upper dam breach in pumped-storage hydropower schemes, Volume 128, 01 October 2025.
- Central Board of Irrigation & Power, Journal on Tehri Dam, January 2007

भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं



Sh. M. K. Singh
CGM (Tehri Complex)
Tehri
DoR: 31.03.2026

Sh. M.K. Singh, CGM (Tehri Complex), superannuated from the corporation on 31st March 2026. A Mechanical Engineer from BIET, Davangere, he joined THDCIL in 1990 and has been associated with key hydro projects of the organization throughout his career. He contributed to various functions of the Mechanical Department and was closely associated with the Tehri Hydropower Project from its early stages. In 2000, he took charge as Head of the Mechanical Department at Koteshwar HEP and was involved in its commissioning. Over the years, he also led Hydro-Mechanical, Building & Road, and Mechanical Departments at Tehri Complex, handling important assignments related to PSP, HPP, and KHEP. In 2023, he was appointed as Head of Project at Koteshwar HEP, and later served as Head of Project, Tehri Complex from October 2025 until his superannuation. During this period, he oversaw key project activities, including the commissioning and commercial declaration of the 7th unit of Tehri PSP. His contributions in THDCIL will always be remembered.



श्री अनिल कुमार
वरिष्ठ प्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31.03.2026



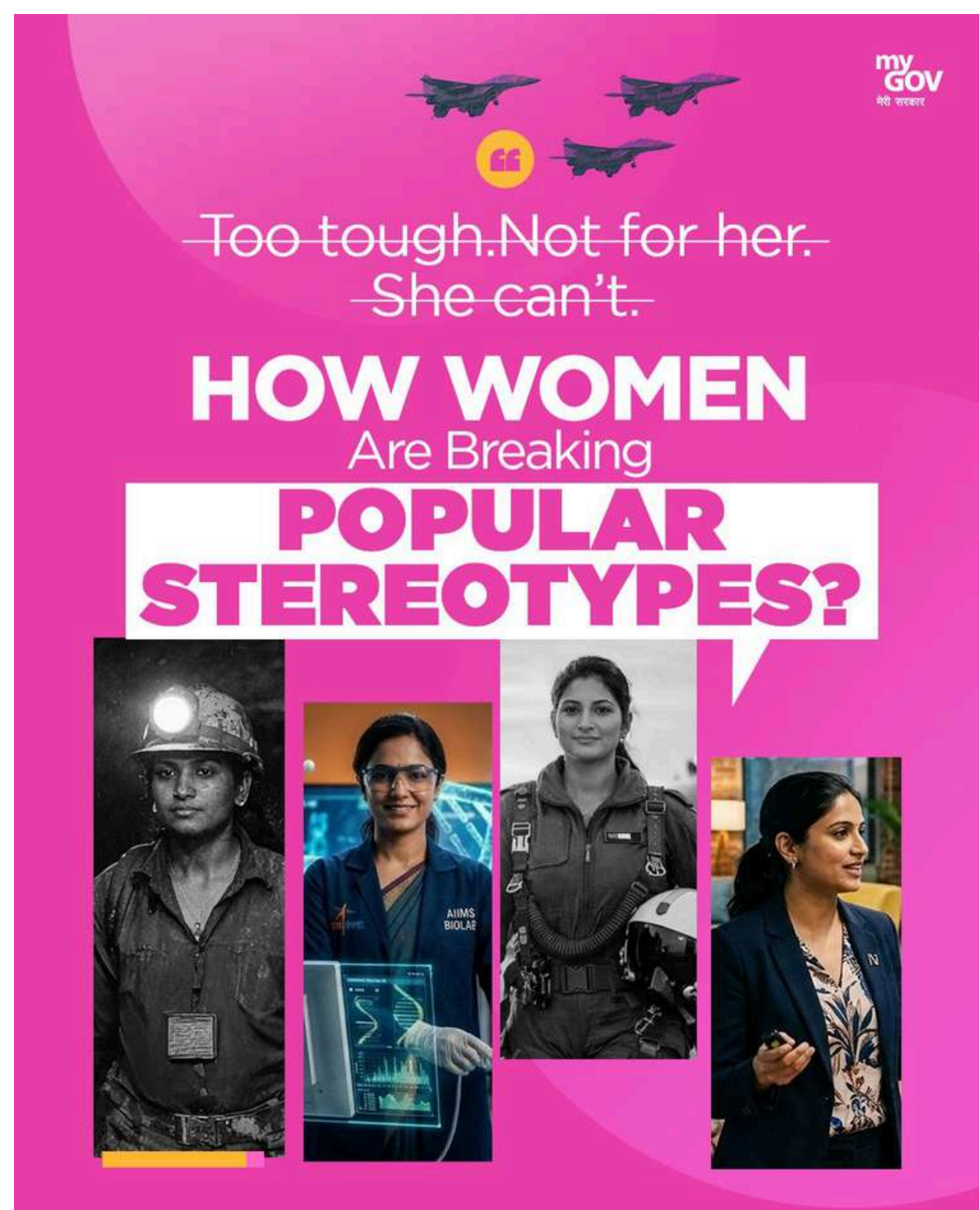
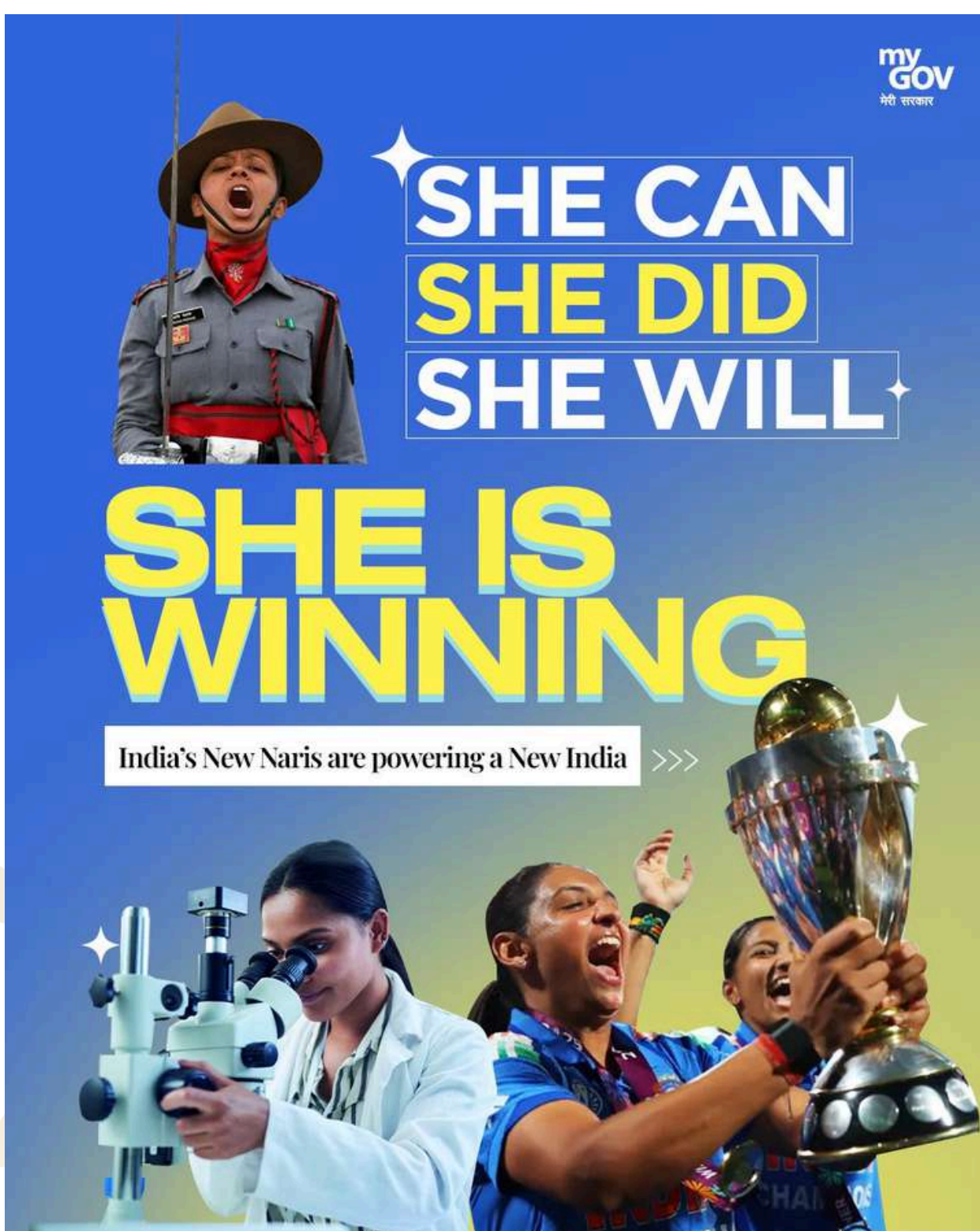
श्री आर.एस. गुसाई
प्रबंधक (सा. एवं पर्या.)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-03-2026



श्री बलबीर सिंह पंवार
उप-अभियंता (पी.एस.डी.)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-03-2026



श्री धीरेंद्र कुमार
परिचारक (पी.एस.डी.)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-03-2026



Designed In-House by Corporate Communication
Department, Rishikesh



टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड THDC INDIA LIMITED

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (सा. सं. एवं प्रशा. व जनसंपर्क) द्वारा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के लिए गंगा नवल, प्रगतिपुरम, बाईपास रोड, अफिकेत- 249201 (उत्तराखंड) से प्रकाशित
फोन: 0135-2473504, वेबसाइट: www.thdc.co.in, ईमेल: prthdcil@gmail.com & hj.thdc@gmail.com
गृह पत्रिका/न्यूज लेटर में प्रकाशित लेखों/रचनाओं में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने हैं और उनसे टीएचडीसीआईएल प्रबंधन का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
(निशुल्क आंतरिक वितरण के लिए)